भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1987
उत्तर देने की तारीख 23 दिसम्बर, 2022

बीएसएनएल और एमटीएनएल का पुनरुद्धार

1987. श्री कार्तिकेय शर्माः

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास देश की अति महत्वपूर्ण सेवाओं, बीएसएनएल और एमटीएनएल के पुनरुद्धार के लिए कोई प्रस्ताव है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान इसके लिए निर्धारित/खर्च की गई निधि का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने बीएसएनएल और एमटीएनएल की विफलता के संबंध में गहन अध्ययन कराया है;
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) दोनों कंपनियों से वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों की संख्या कितनी है ?

उत्तर
संचार राज्य मंत्री
(श्री देवुसिंह चौहान)

(क) से (ग) जी, हां। सरकार ने दिनांक 23.10.2019 को बीएसएनएल और एमटीएनएल के लिए पुनरूद्धार योजना को अनुमोदित कर दिया था। इस पुनरूद्धार योजना में अन्य बातों के साथ-साथ स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम (वीआरएस) के माध्यम से कर्मचारी लागत में कटौती करना, संप्रभु गारंटी बॉन्ड जुटाकर ऋण का पुनर्गठन, पूँजी निवेश के माध्यम से 4जी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए स्पेक्ट्रम का प्रशासनिक आवंटन, प्रमुख और गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण और बीएसएनएल और एमटीएनएल के विलय हेतु सैद्धांतिक मंजूरी को अनुमोदन प्रदान किया गया था। इनके परिणामस्वरूप बीएसएनएल के साथ एमटीएनएल का वित्तीय वर्ष 2020-21 से ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पूर्व की आय) पॉजिटिव हो गया है।

जारी.....2/

इसके अतिरिक्त बीएसएनएल को एक व्यवहार्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बनाने के लिए सरकार ने दिनांक 27.07.2022 को बीएसएनएल के लिए 1.64 लाख करोड़ रूपये के पुनरूद्धार पैकेज को अनुमोदन दिया था। मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित पुनरूद्धार उपायों को बीएसएनएल सेवाओं के उन्नयन के लिए नई पूँजी लगाने, स्पेक्ट्रम आवंटन, इसकी बैलेंस शीट को डी-स्ट्रैस करने और बीएसएनएल के साथ भारत ब्रॉडबैंड निगम लिमिटेड (बीबीएनएल) का विलय करके इसके फाइबर नेटवर्क को बढ़ाने पर केंद्रित किया गया है। विगत तीन वर्षों के दौरान बीएसएनएल और एमटीएनएल को दी गई निधि का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

	निर्धारित/खर्च की गई निधि (करोड़ रुपए में)				
संगठन	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23 (नवम्बर 2022 तक)**	**कुल**
बीएसएनएल	4,196	9,346	0	28,873	42,415
एमटीएनएल	804	1,817	0	0	2,621
कुल योग					**45,036**

(घ) और (ङ) इसके मुख्य कारण वर्षों से उच्च कर्मचारी लागत, भारी कर्ज का बोझ, बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा और 4जी सेवाओं की कमी (कुछ क्षेत्रों में सीमित आधार को छोड़कर) हैं।

(च) बीएसएनएल और एमटीएनएल में क्रमशः 78,323 और 14,387 कर्मचारियों ने वीआरएस-2019 योजना का विकल्प चुना।

***